गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णु गुरुर्देवो महेश्वरः।
गुरुः साक्षात् परं ब्रह्म तस्मै श्री गुरुवे नमः॥
(गुरु ही ब्रह्मा, विष्णु, शंकर और साक्षात परमब्रह्म हैं, ऐसे गुरु को मैं नमन करता हूं।)

बदल गई पढ़ाई, अब स्किल से ही कमाई

शिक्षक ज्ञान के द्वारपाल, तकनीक के हथियार से गढ़ने होंगे नए आकार

भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोपरि है। गुरु-शिष्य परंपरा हमारी पहचान है। गुरु यानि शिक्षक केवल किताबों का ज्ञान नहीं देते, बल्कि जीवन जीने की कला, नैतिकता और अनुशासन का मार्ग दिखाकर जीवन की वास्तविकताओं से अवगत कराते हैं। शिक्षकों की प्रेरणा और मार्गदर्शन से ही विद्यार्थी अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। शिक्षक दिवस हमें याद दिलाता है कि शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं है, यह जीवन की महत्वपूर्ण यात्रा है, और शिक्षक इस यात्रा में इंजन हैं। ऐसे में यह दिन शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता, सम्मान और आभार प्रकट करने तथा उनके योगदान की सराहना का तरीका है।

डिजिटल युग ने बदली शिक्षा की परिभाषा और बदल गई शिक्षकों की भूमिका

तेजी से बदलती दुनिया में शिक्षकों के लिए समाज में नैतिकता, संस्कृति और परंपरा के महत्व को समझाकर विद्यार्थियों को सही मार्ग पर ले जाने की चुनौती बढ़ गई है। डिजिटल युग ने शिक्षा की परिभाषा और शिक्षकों की भूमिका बदल दी है। ऐसे में शिक्षकों को डिजिटल कौशल और आधुनिक तकनीक का ज्ञान तथा बदलावों के साथ अपने दृष्टिकोण को अपडेट करना इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि इंटरनेट पर उपलब्ध जानकारी की प्रचुरता के कारण ज्ञान के स्रोत वाली शिक्षकों की पारंपरिक भूमिका को चुनौती मिल रही है।

शिक्षक दिवस : कबीर की बताई बात नए जमाने में भी है प्रासंगिक

**गुरु कुम्हार और शिष्य कुंभ है,
गढ़ि गढ़ि काढ़ै खोट। अंतर हाथ सहार
दै, बाहर बाहै चोट।।**

(शिक्षक कुम्हार है, और शिष्य घड़ा। वह भीतर से हाथ का सहारा और बाहर से चोट देकर शिष्य को ऐसे तराशता है, जिससे उसके मन में कोई बुराई न रह जाए।)

...क्योंकि हर स्टूडेंट कुछ अलग होता है

- पहले पढ़ाई सिर्फ किताबों और परीक्षाओं तक सीमित थी। अब स्कूल नई शिक्षण विधियों का उपयोग कर रहे हैं। इसमें शिक्षकों की भूमिका छात्रों की समस्याएं सुलझाने, नए कौशल सिखाने और भविष्य के पथ प्रदर्शक जैसी हो गई है। तकनीक छात्रों को नए तरीकों से सीखने में मदद कर रही है, ऐसे में जरूरी है कि शिक्षक भी नए कौशल सीखें। छात्रों को सही राह पर बनाए रखने के तरीके खोजें। स्कूल-कॉलेज भी व्यक्तिगत शिक्षा पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, क्योंकि हर विद्यार्थी अलग होता है। कुछ जल्दी सीखते हैं, कुछ को थोड़ा समय लगता है। शिक्षकों समझना पड़ेगा कि किस बच्चे की क्या जरूरत है। कक्षाओं में स्मार्टबोर्ड, शैक्षिक ऐप्स और वीडियो का इस्तेमाल शिक्षक पढ़ाई को मजेदार बना सकते हैं।

'नॉलेज बेस्ड इकोनॉमी' ज्ञान से जुड़ा कौशल सबसे ऊपर

- थोड़ा पढ़-लिख गए, तो इसका मतलब यह नहीं है कि आपको सब कुछ आता है। सीखने के लिए पूरी उम्र कम पड़ जाती है। पढ़ने और सीखने में फर्क है। सीखना ऐसी कला है, जिससे हम खुद को अपडेट और इंप्रूव कर सकते हैं। आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में शिक्षण पद्धति में व्यावहारिक कौशल का महत्व समझना होगा। यह समय 'नॉलेज बेस्ड इकोनॉमी' का है, जिसमें ज्ञान से जुड़ा कौशल सबसे ऊपर है। इसलिए छात्रों को चाहिए कि वे पारंपरिक विषयों से आगे बढ़कर अपनी रुचि के क्षेत्र में रिसर्च आधारित या व्यावसायिक कोर्सेज का चयन करें।

एआई के दौर में भावनात्मक बुद्धिमत्ता व रचनात्मकता विकसित करनी होगी

- शिक्षा का परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। इंटरनेट ने सूचना और ज्ञान तक हर किसी की पहुंच बना दी है। इस बदलाव से शिक्षक अब केवल तथ्यों के वितरक नहीं रह गए हैं। ज्ञान के संरक्षक होने के नाते उनके कंधों पर छात्रों को सूचना के सागर में रास्ता दिखाने की जिमेदारी आ गई है। एआई और नई तकनीक के परिदृश्य में शिक्षकों को भावनात्मक बुद्धिमत्ता, अनुकूलनशीलता और रचनात्मकता जैसे इस तरह के कौशल विकसित करने होंगे जो अभी एआई की पहुंच में नहीं हैं।

बढ़िया मार्क्स या ग्रेड पर न इतराएं, वह क्षमता लाएं जो नियोक्ता को भाए

- आज अच्छे मार्क्स या ग्रेड ही काफी नहीं हैं। कॉरियर में सफल होने के लिए वह कौशल जरूरी है, जिसकी अपेक्षा नियोक्ता करता है। ऐसे में शिक्षकों पर ये कौशल विकसित करने की जिम्मेदारी है। इसके लिए शिक्षकों को व्याख्याता के रोल से बाहर आकर डिजिटल तकनीक के जरिए छात्रों से जुड़ने के तरीके खोजने होंगे। समय के साथ बदलने वाले शिक्षक ही शिक्षा को बेहतर बना सकते हैं।

लेखिका
डॉ. क्षमा त्रिपाठी
प्रोफेसर, डीजीपीजी कॉलेज, कानपुर

जॉब अलर्ट

रीजनल रूरल बैंकों में क्लर्क व पीओ के लिए आवेदन करें

इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सनल सिलेक्शन (IBPS) ने देश के रीजनल रूरल बैंकों (RRBs) में क्लर्क और प्रोबेशन ऑफिसर (PO) समेत कई पदों पर 13,000 से अधिक वैकेंसी निकाली हैं। आवेदन प्रक्रिया 1 सितंबर से शुरू हो चुकी है। 21 सितंबर तक ऑफिशियल वेबसाइट ibpsreg.ibps.in पर फॉर्म भर सकते हैं। शैक्षणिक योग्यता और आयु सीमा अलग-अलग पदों के अनुसार तय की गई है। प्रीलिम्स एग्जाम नवंबर में तथा मेन एग्जाम दिसंबर 2025 या फरवरी 2026 में हो सकता है।

बिहार की पॉलिटेक्निक में एसो. प्रोफेसर व प्रिंसिपल बन सकते हैं

बिहार लोक सेवा आयोग ने साइंस, टेक्निकल एंड टेक्नोलॉजी विभाग के अंतर्गत गर्वनमेंट इंजीनियरिंग, पॉलिटेक्निक इंस्टीट्यूट में एसोसिएट प्रोफेसर के 539 पद, पॉलिटेक्निक प्रिंसिपल के 26 पद तथा गर्वमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज में प्रिंसिपल के 25 पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन मांगे हैं। ऑफिशियल वेबसाइट bpsc.bihar.gov.in पर जाकर आवेदन किए जा सकते हैं।

एम्स जोधपुर में असिस्टेंट प्रोफेसर के पदों पर नियुक्ति

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर ने असिस्टेंट प्रोफेसर (ग्रुप-ए) के पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट aiimsjodhpur.edu.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

इंडियन ऑयल ने निकाली अप्रेंटिस पद के लिए भर्ती

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (IOCL) ने 537 पदों पर अप्रेंटिस की भर्ती निकाली है। इसमें ट्रेड अप्रेंटिस, टेक्नीशियन, डेटा एंट्री ऑपरेटर और डोमेस्टिक डेटा एंट्री ऑपरेटर अप्रेंटिस शामिल हैं। यह भर्ती आईटीआई, डिप्लोमा और संबंधित योग्यता रखने वाले युवाओं के लिए है। चयन प्रक्रिया में लिखित परीक्षा और दस्तावेज सत्यापन शामिल होगा। उम्मीदवार IOCL की ऑफिशियल वेबसाइट iocl.com या अप्रेंटिसशिप पोर्टल पर जाकर अपने फॉर्म भर सकते हैं।

फैशन डिजाइनिंग में क्रिएटिविटी से कॅरियर का सुनहरा सफर

आज के दौर में फैशन डिजाइनिंग सिर्फ कपड़े और एक्सेसरीज बनाने तक सीमित नहीं है, यह एक उभरता हुआ कॅरियर विकल्प है, जिसके लिए क्रिएटिविटी, टेक्निकल नॉलेज और आधुनिक ट्रेंड्स की गहरी समझ जरूरी है। कपड़ों और एक्सेसरीज को डिजाइन करने उन्हें आधुनिकता, सौंदर्यशास्त्र और व्यक्तित्व के अनुरूप प्रस्तुत करने की इस कला में कॉन्सेप्ट डेवलपमेंट, स्केचिंग, फैब्रिक सेलेक्शन, पैटर्न मेकिंग से लेकर फाइनल गारमेंट प्रोडक्शन तक की पूरी प्रक्रिया शामिल होती है। बदलती जीवनशैली और ग्लोबल कनेक्टिविटी ने फैशन डिजाइनिंग क्षेत्र को लोकप्रिय विस्तार दिया है। यदि आपके भीतर क्रिएटिविटी, नए ट्रेंड्स सीखने की चाहत और अपनी पहचान बनाने का सपना है, तो यह कोर्स आपके लिए सबसे सही विकल्प हो सकता है।

इन क्षेत्रों में बना सकते हैं कॅरियर

■ फैशन डिजाइनर ■ टेक्सटाइल डिजाइनर ■ ज्वेलरी डिजाइनर ■ फैशन कंसल्टेंट ■ फैशन इलस्ट्रेटर ■ पैटर्न मेकर ■ स्टाइलिंग प्रोड्यूस ■ ग्राफिक डिजाइन ■ बुटीक या स्टार्टअप ■ मर्चेंडाइजिंग, रिटेल सेक्टर ■ एक्सपोर्ट-इंपोर्ट हाउस

यहां उपलब्ध है पढ़ाई

डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में फैशन डिजाइनिंग कोर्स प्रौढ़ एवं सतत शिक्षा विभाग के अंतर्गत सफलतापूर्वक संचालित है।

- पीजी डिप्लोमा इन फैशन डिजाइनिंग, वर्ष 1992 से संचालित, प्रवेश योग्यता ग्रेजुएशन।
- बीवॉक फैशन डिजाइनिंग एंड गारमेंट टेक्नोलॉजी, वर्ष 2018 से संचालित, प्रवेश योग्यता इंटरमीडिएट।

क्यों चुनें यह कोर्स

- यह एक प्रोफेशनल कोर्स है, जिसे करने के बाद तुरंत इंटर्नशिप और जॉब से जुड़ सकते हैं।
- छात्र-छात्राएं चाहें तो स्वयं का स्टार्टअप या बुटीक भी शुरू कर सकते हैं।
- इस कोर्स से आप क्रिएटिव इंडस्ट्री के विभिन्न क्षेत्रों में कदम रख सकते हैं।

लेखक : कमर अब्बास, अयोध्या

फ्लाइट अटेंडेंट एक रोमांचक और शानदार कॅरियर

हवाई सेवाओं में विस्तार के साथ फ्लाइट अटेंडेंट जॉब के नए अवसर पैदा हो रहे हैं।यह एक रोमांचक व शानदार करियर है, जिसमें उड़ान के दौरान यात्रियों की सुरक्षा और आराम सुनिश्चित करना होता है।फ्लाइट अटेंडेंट बनने के लिए 12वीं के बाद सर्टिफिकेट, डिप्लोमा या डिग्री कोर्स कर सकते हैं, जिनकी अवधि 6 महीने से 3 साल तक होती है। इन कोर्सेज में ग्राहक सेवा, सुरक्षा प्रक्रियाएं, आपातकालीन हैंडलिंग, और शारीरिक तैयारी सिखाई जाती है।

सर्टिफिकेट कोर्स

अवधि : 6 महीने से 1 साल तक.
कवर किए जाने वाले विषय : बेसिक सेफ्टी, ग्रूमिंग, कम्युनिकेशन, और इन-फ्लाइट सर्विसेस.
योग्यता : 12वीं कक्षा पास

डिप्लोमा कोर्स

अवधि : 6 महीने से 1 साल तक.
कवर किए जाने वाले विषय : इमरजेंसी हैंडलिंग, फर्स्ट ऐड, पर्सनैलिटी डेवलपमेंट, और एविएशन ऑपरेशंस की जानकारी.
योग्यता : 12वीं कक्षा पास।

डिग्री कोर्स

अवधि : 3 साल
कवर किए जाने वाले विषय : एविएशन इंडस्ट्री की थ्योरी और प्रैक्टिकल जानकारी, हॉस्पिटैलिटी, और मैनेजमेंट.
योग्यता : 12वीं कक्षा पास।
ट्रेनिंग के दौरान हवाई यात्रा से जुड़ी जरूरी जानकारियां, यात्रियों की देखभाल के तरीके, सुरक्षा प्रोटोकॉल और प्रोफेशनल व्यवहार की पूरी ट्रेनिंग दी जाती है ।
शारीरिक योग्यता : उम्र 17 से 25 साल के बीच होनी चाहिए, अच्छी फिटनेस और न्यूनतम लंबाई (लड़कियों के लिए लगभग 155 सेमी और लड़कों के लिए लगभग 160 सेमी) होनी चाहिए।

प्रोफेशनल अंदाज

- फ्लाइट अटेंडेंट का मुख्य काम यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करना होता है। वे फ्लाइट के दौरान यात्रियों को दिशा-निर्देश देते हैं, खाने-पीने की सेवा करते हैं। व्यवहार प्रोफेशनल और सौम्य होना जरूरी है।

कितनी होती सैलरी?

नियुक्ति के समय सैलरी लगभग 25,000 से 40,000 तक हो सकती है। जैसे-जैसे अनुभव बढ़ता है और आप इंटरनेशनल फ्लाइट्स पर काम करने लगते हैं, सैलरी 60,000 से 1 लाख या उससे ज्यादा भी हो सकती है।

प्रतिभाओं की फैक्ट्री है एकेटीयू

लखनऊ स्थित डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) जिसे पहले यूपीटीयू के नाम से जाना जाता था, देश के सबसे बड़े तकनीकी विश्वविद्यालय के रुतबे के अनुरूप उपलब्धियों की भी बड़ी लकीर खींच रहा है। यह प्रदेश में स्थित सभी सरकारी और निजी संस्थानों में इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी, वास्तुकला, फार्मेसी, होटल प्रबंधन और खानपान प्रौद्योगिकी के साथ एमबीए और एमसीए कार्यक्रमों में स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट स्तर का प्रशिक्षण प्रदान करता है। प्लेसमेंट का बेहतर रिकार्ड एकेटीयू का प्लेसमेंट रिकार्ड औसतन 75 फीसदी से अधिक है। पिछले वर्ष उच्चतम पैकेज 49 लाख प्रतिवर्ष था, जबकि औसत पैकेज 4 से 6 लाख है। विश्वविद्यालय में 14 हजार से ज्यादा आफर्स के सापेक्ष 13,898 छात्रों को प्लेसमेंट मिला था।

बीटेक अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए ऑनलाइन कक्षाएं

एकेटीयू ने बीटेक अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए ऑनलाइन कक्षाएं शुरु की हैं। सातवें सेमेस्टर में 50 फीसदी और आठवें सेमेस्टर में पूरी तरह ऑनलाइन कक्षाएं चलाई जाएंगी। इसका फायदा 2 लाख स्टूडेंट्स को मिलेगा। इसमें मूक्स (मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स) के जरिये छात्र सुविधानुसार कक्षाएं कर सकेंगे। मूक्स पर ज्यादातर इंडस्ट्री ओरिएंटेड और रोजगारपरक कोर्स उपलब्ध हैं।

स्थापना- वर्ष 2000
संबद्ध कॉलेज – 756+
कोर्स – 58
डिग्री,4391 पाठ्यक्रम
प्रवेश परीक्षा – जेईई मेन, गेट, सीमैट, सीयूईटी यूजी तथा पीजी, कैट, एनएटीए

प्रमुख कोर्स

बीटेक – 04 वर्ष
पात्रता - न्यूनतम 45% अंकों के साथ 10+2
प्रवेश परीक्षा – जेईई मेन –यूपीएसएसईई

बीबीए/बीसीए/बीकॉम/बीएससी – 03 वर्ष
पात्रता – 10+2
प्रवेश परीक्षा – सीयूईटी यूजी

पीजी, एमबीए, पीजीडीएम पाठ्यक्रमों में पंजीकरण

- पीजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए सीयूईटी पीजी 2026 पंजीकरण प्रक्रिया जनवरी 2026 में शुरू हो सकती है। एमबीए, पीजीडीएम पाठ्यक्रमों के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि 5 दिसंबर, 2025 है।

बीआर्क – 05 वर्ष
पात्रता – 10+2
प्रवेश परीक्षा – एनएटीए
एमबीए/ एमसीए - 02 वर्ष
पात्रता - 50% अंकों के साथ स्नातक
प्रवेश परीक्षा – कैट, मैट, सीमैट
एमटेक – 02 वर्ष
पात्रता – बीटेक या बीई 50% अंकों के साथ
प्रवेश परीक्षा - गेट
पीएचडी- तय समयावधि
पात्रता – संबंधित विषय में परास्नातक डिग्री
प्रवेश परीक्षा- यूनिवर्सिटी लिखित परीक्षा व साक्षात्कार

एकेटीयू छात्रों के लिए नवीनतम तकनीक अपना रहा है। हमारे छात्र समाज और राष्ट्र की जरूरत के अनुरुप तेजी से कार्य कर रहे हैं। चाहे वह इंजीनियरिंग, कृषि में नवाचार या नई खोज हो या चिकित्सा क्षेत्र को और सुगम बनाना हो। विश्वविद्यालय में छात्रों के स्टार्टअप्स को समर्थन देने की पुख्ता व्यवस्था है। देश-विदेश की कंपनियों में प्लेसमेंट का रिकार्ड भी लगातार बेहतर हो रहा है।

-प्रो. जेपी पाण्डेय, कुलपति, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय